## खास-खबरें

### श्रीबैकुण्ठधाम में दीपदान का आयोजन

विदिशा (निप्र)। धर्मगुरु धर्माधिकारी पं.गिरधर गोविन्द प्रसाद चतुर्वेदी शास्त्री के आचार्यत्व में स्थानीय सावरकर बालविहार स्थित श्रीविष्णुलोक बैकुण्ठधाम श्रीलक्ष्मी-नारायण मंदिर में भाद्रपद शुक्ल फूल डोल एकादशी मनोकामना दीपदान के साथ गौधुली बेला में तुलसी पत्रों द्वारा श्रीहरि आराधना, मंगल आरती एवं गौ-भक्तों द्वारा अक्षय पुण्य फल प्राप्ति के लिए हरी घास एवं गुड़ खिलाकर गोसेवा संपन्न हुई।

धर्माधिकारी पं.गिरधर गोविन्द प्रसाद चतुर्वेदी शास्त्री ने बताया कि फूल डोल ग्यारस के दिन चातुर्मास मे योग निंद्रा मे लीन भगवान श्रीहरि करवट धारण करते हैं, अत: इस एकादशी के दिन भगवान के दर्शन से अनंत पुण्य फल की प्राप्ति होती है। वहीं, धर्माधिकारी पं.गिरधर गोविन्द प्रसाद चतुर्वेदी शास्त्री द्वारा धर्माधिकारी चैक पर विमानों की पूजन एवं आरती के साथ विमानों का परस्पर मिलाप सम्पन्न हुआ। मंदिरों के पुजारियों को शाल, श्रीफल एवं पुष्प मालाओं से सम्मानित किया गया। दोनों विमान अपने मंदिरों के लिए 'पुरच्या वर्षी लवकरया' की कामना के साथ प्रस्थान किया।

### सोलर बेस्ड ड्रिंकिंग वाटर सिस्टम का शुभारंभ

**नईदुनिया, प्रतिनिधि, सीहोरः** जिले की लीलाखेड़ी पंचायत के अंतर्गत आमामाय ग्राम में आज सीपा संस्था के माध्यम से सोलर बेस्ड ड्रिंकिंग वाटर सिस्टम के इनॉग्रेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सीहोर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री सर्जना यादव एवं उनकी टीम उपस्थित रही। कार्यक्रम के दौरान सोलर बेस्ड ड्रिंकिंग वाटर सिस्टम का शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही जिला पंचायत सीईओ एवं अधिकारियों ने सीपा संस्था द्वारा क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न कार्यों एवं गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। सीपा टीम द्वारा ग्रामीण आजीविका एवं आधुनिक तकनीकों से संबंधित, मचान खेती, जल संरक्षण,शुद्ध पेयजल तथा पेयजल गुणवत्ता की जांच जैसी गतिविधियों का प्रदर्शन एवं जानकारी साझा की गई।

# किसानों का पार्वती नदी में तीसरे दिन भी जल सत्याग्रह जारी

सीहोर। सीहोर और शाजापुर जिले के किसानों का पार्वती नदी में जल सत्याग्रह बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। किसान विद्युत मंडल की कथित लापरवाही और खेतों व घरों के ऊपर झूल रही बिजली लाइनों की समस्या को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। किसानों ने गहरे पानी में उतरकर प्रदर्शन किया और शासन-प्रशासन से समस्याओं के निराकरण की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान किसानों ने पार्वती नदी के पानी में भैंसों को खड़ा कर उनके सामने नारे लगाए। किसानों का कहना है कि कई बार शिकायत और ज्ञापन देने के बावजूद उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया गया, इसलिए अलग तरीके से विरोध दर्ज कराना पड़ रहा है।

**झूलती बिजली लाइनों से हादसों का आरोप:** किसानों का आरोप है कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों और मकानों के ऊपर 11 केवी और एलटी बिजली लाइनें झूल रही हैं। इनके संपर्क में आने से कई लोग घायल हुए हैं और कुछ स्थानों पर पशुओं की मौत भी हुई है। किसानों ने ग्रामीण उपभोक्ताओं को अधिक बिजली बिल मिलने की शिकायत भी उठाई है।

किसानों की मांग है कि झूलती बिजली लाइनों से हुई मौतों, चोटों और पशुहानि के लिए जिम्मेदार विद्युत मंडल के अधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए। किसानों ने मांग पूरी होने तक जल सत्याग्रह और आंदोलन जारी रखने की बात कही है।

**25 से अधिक गांवों के किसान आंदोलन में**

किसान और समाजसेवी एमएस मेवाड़ा के नेतृत्व में सीहोर जिले के 25 से अधिक गांवों और शाजापुर जिले के कुछ गांवों के किसान करीब दो महीने से अलग-अलग माध्यमों से आंदोलन कर रहे हैं। किसानों के अनुसार उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सीहोर जिले की प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर सहित विद्युत मंडल के अधिकारियों और मानव अधिकार आयोग एवं महिला आयोग को ज्ञापन दिए हैं।

### 27 सितंबर से सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

**सीहोर।** शहर के गीता मानस भवन में आगामी 27 सितंबर से सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ किया जाएगा। कथा में भागवत भूषण पंडित अरविंद व्यास के मुखारविंद से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण के विभिन्न प्रसंगों का श्रवण करने का अवसर मिलेगा। आयोजन को लेकर गीता मानस भवन समिति और यजमानों द्वारा तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं।

सात दिनों तक चलने वाली कथा के दौरान प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक एवं प्रेरणादायी प्रसंगों का संगीतमय वर्णन किया जाएगा। कथा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है और आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने का कार्य किया जा रहा है। यजमान और आयोजन समिति के केएन आचार्य, ईश्वर चंद्र जोशी, देवेन्द्र जोशी एवं समस्त जोशी परिवार अमाझिर वालों की ओर से भव्य कथा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन की शुरुआत 27 सितंबर को भव्य कलश यात्रा के साथ होगी। कलश यात्रा में श्रद्धालु धार्मिक भाव के साथ शामिल होंगे।

## गणेश पंडाल में लगी भीषण आग 11 फीट की प्रतिमा हुई खंडित

**नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः** उज्जैन के नीलगंगा थाना क्षेत्र की संत राम सिंधी कॉलोनी में बुधवार शाम को श्री सम्राट नवयुवक मित्र मंडल के गणेश पंडाल में आग लग गई। आग तेजी से फैली और पंडाल का ज्यादातर हिस्सा जल गया। पंडाल के अंदर रखी करीब 11 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा भी खंडित हो गई।

सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने आसपास के लोगों की मदद से आग पर काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार, संत राम सिंधी कॉलोनी में गणेश पंडाल माता वैष्णो देवी की थीम पर सजाया गया था। इसमें गजानन गणपति के साथ उनकी बहन अशोक सुंदरी की प्रतिमा भी स्थापित की गई थी। बुधवार शाम पंडाल से धुआं उठता देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल को सूचना दी। आग लगने से पंडाल का सजावटी सामान और दूसरी चीजें

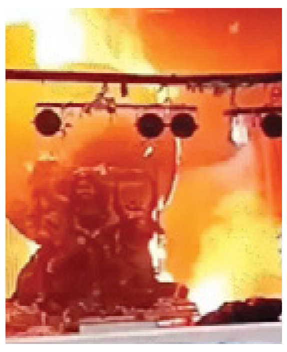

जल गईं। गणेश प्रतिमा को भी नुकसान पहुंचा है। मौके पर पहुंचे बिजली कर्मचारियों ने आग से जली हुई बिजली लाइन और उपकरणों को ठीक करना शुरू किया। शुरुआती जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है।

नीलगंगा थाना प्रभारी तरुण कुरील ने बताया कि गणेश पंडाल में आग लगने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। दो दमकल गाड़ियों की मदद से तुरंत आग पर काबू पा लिया गया। किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। आग किस वजह से लगी, इसका पता पंडाल का पूरा निरीक्षण करने के बाद ही चल पाएगा।

### सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के प्रति जागरूक किया

**नईदुनिया प्रतिनिधि, विदिशाः** सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नोडल शासकीय आईटीआई द्वारा सेवा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक जागरूकता की दिशा में सहभागिता की गई। अभियान के अंतर्गत संस्थान के स्टाफ एवं प्रशिक्षणार्थियों के सामूहिक प्रयास से कुल 34 यूनिट रक्तदान किया गया।

प्रशिक्षणार्थियों को नियमित योग, ध्यान, मानसिक एकाग्रता एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर विशेष जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया। सत्र में बालिकाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, मासिक धर्म स्वच्छता, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों तथा समय पर स्वास्थ्य जांच के महत्व की जानकारी दी गई। नोडल प्राचार्या सुश्री कविता रघुवंशी ने उपर्युक्त जानकारी दी।

# पांच दिवसीय मत्स्य पालन प्रशिक्षण संपन्न

## 25 चयनित किसानों को दिया गया मछली पालन का तकनीकी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण

**नईदुनिया प्रतिनिधि, रायसेनः** कृषि विज्ञान केंद्र रायसेन में अटारी जोन-9 जबलपुर के मार्गदर्शन में आयोजित पांच दिवसीय मत्स्य पालन प्रशिक्षण का समापन हुआ। समापन कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. स्वप्निल दुबे, मत्स्य वैज्ञानिक डॉ. ब्रह्मानंद शुक्ला, कृषि प्रसार वैज्ञानिक आलोक कुमार सूर्यवंशी, डॉ. मुकुल कुमार और डॉ. रंजीत सिंह राघव उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण के दौरान मत्स्य वैज्ञानिक डॉ. ब्रह्मानंद शुक्ला ने नए तालाब निर्माण, पुराने तालाबों से जलीय खरपतवार एवं कीटों के नियंत्रण, परभक्षी और अवांछित मछलियों के उन्मूलन, चूने तथा जैविक-अजैविक खाद के उपयोग

की जानकारी दी। इसके अलावा मछलियों की प्रजातियों, मत्स्य बीज संचयन, आहार प्रबंधन, विभिन्न रोगों और मत्स्य पालन से होने वाले आर्थिक लाभ के बारे में विशेषज्ञों ने जानकारी दी। किसानों को पावर प्वाइंट प्रस्तुति और वीडियो के माध्यम से भी प्रशिक्षण दिया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र टीकमगढ़ के मत्स्य वैज्ञानिक डॉ. सत्येंद्र कुमार ने ऑनलाइन माध्यम से मिट्टी और जल की गुणवत्ता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मत्स्य पालन के लिए पानी का पीएच मान 6.5 से 8.5, तापमान 18 से 30 डिग्री और घुलित ऑक्सीजन करीब 5 मिलीग्राम प्रति लीटर होना उपयुक्त है। तालाब में कचरा नहीं रखने और आवश्यकता के अनुसार चूने या सोडियम बाइकार्बोनेट के उपयोग की जानकारी दी गई। उन्होंने चिकनी दोमट मिट्टी को मत्स्य पालन के लिए उपयुक्त बताया।

प्रशिक्षण के दौरान मंडला के प्रगतिशील मत्स्य उद्यमी ने अपने अनुभव साझा किए। जलकुंभी के नियंत्रण और उसे सुखाकर बैग बनाने की विधि भी बताई गई। किसानों को शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र दाहोद का भ्रमण कराया गया, जहां बायोफ्लॉक तकनीक, सर्कुलर हैचरी, केंचुआ कल्चर और नर्सरी तालाब में स्पॉन प्रबंधन की जानकारी दी गई।

समापन पर किसानों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। चयनित किसानों को प्रदर्शन के लिए कतला और कॉमन कार्प मछली के बीज भी दिए गए। प्रशिक्षण में बड़वई, ईंटखेड़ी, बोदरा, भूसीमेटा, देहगांव, मेड़की और किशनपुर के 25 चयनित किसान शामिल हुए।

# अधूरे नाला निर्माण से नागरिक परेशान

**नईदुनिया प्रतिनिधि, आष्टाः** शहर के पुराने भोपाल-इंदौर मार्ग स्थित पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में करीब चार महीने से चल रहा नाला निर्माण अब तक पूरा नहीं हुआ है। निर्माण कार्य की धीमी गति के कारण इस व्यस्त मार्ग पर यातायात प्रभावित हो रहा है और आए दिन जाम की स्थिति बन रही है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि निर्माण के चलते उनका कारोबार भी प्रभावित हो रहा है।

नगर पालिका द्वारा बारिश से पहले बुधवारा क्षेत्र का पानी पार्वती नदी तक पहुंचाने के लिए नाला निर्माण शुरू कराया गया था। निर्माण के दौरान पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके चलते काम प्रभावित हुआ। बाद में पाइपलाइन की मरम्मत कराई गई, लेकिन नाला निर्माण अभी पूरा नहीं हो सका है।

स्थानीय लोगों के अनुसार करीब चार महीने से सड़क पर वन-वे व्यवस्था लागू होने के कारण आवागमन में परेशानी हो रही है। निर्माण सामग्री और खुदाई के कारण सड़क की स्थिति भी प्रभावित है। दुकानदारों का कहना है कि लंबे समय से चल रहे निर्माण के कारण ग्राहकों की आवाजाही कम हुई है, जिससे व्यापार पर असर पड़ रहा है।

**पूर्व पार्षदों ने जताई नाराजगी:** पूर्व पार्षद इदरीश मंसूरी और सनवर भाई ने निर्माण कार्य में लापरवाही का आरोप लगाते हुए इसे जल्द पूरा कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि हाईवे पर नाला निर्माण के लिए खोदी गई सड़क को भी जल्द व्यवस्थित किया जाना चाहिए, ताकि यातायात सुचारू हो सके।

**पाइपलाइन ठीक करा दी है : नपा अध्यक्ष:** नगर पालिका अध्यक्ष हेमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा ने बताया कि नाला निर्माण के दौरान मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिसे ठीक करा दिया गया है। उन्होंने कहा कि शेष निर्माण कार्य भी जल्द पूरा कराया जाएगा।

### शासकीय भूमि पर कब्जा करने वालों के खिलाफ राजस्व विभाग की कार्रवाई

**सीहोर।** शासन के निर्देशानुसार शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ राजस्व विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को राजस्व विभाग की टीम ने ग्राम सारंगाखेड़ी में शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सारंगाखेड़ी में कुछ रसूखदारों द्वारा शासकीय भूमि पर कब्जा किया गया था। इसकी जानकारी मिलने पर नायब तहसीलदार धनजी मालवीय के नेतृत्व में हल्का पटवारी नीलेश यादव सहित राजस्व अमले ने मौके पर पहुंचकर जांच की और शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटवाया।

## सीसीटीवी में दिखे चार नकाबपोश चोर, तीन सूने मकानों में चोरी

### रात 2:30 बजे हाथों में डंडे और टॉर्च लेकर घूमते नजर आए बदमाश, लाखों के सामान पर हाथ साफ

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भैरूंदाः** नगर में चोरी की वारदातों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात चार अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने तीन सूने मकानों के ताले तोड़कर नगदी और सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। बदमाश गुलाब विहार और फूलविहार कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुए हैं। फुटेज में चारों हाथों में डंडे और टॉर्च लेकर कॉलोनी में घूमते दिखाई दे रहे हैं।

जानकारी के अनुसार रात करीब 2:30 बजे गुलाब विहार कॉलोनी के सीसीटीवी कैमरों में चार संदिग्ध नजर आए। बदमाशों ने पहले कॉलोनी के दो सूने मकानों को निशाना बनाया। ताले तोड़कर घर में घुसे और वहां रखी नगदी तथा सोने-चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। इसके बाद बदमाश फूलविहार कॉलोनी पहुंचे और एक अन्य सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी की।

सुबह मकानों के ताले टूटे और सामान बिखरा मिलने पर रहवासियों को घटना की जानकारी हुई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थलों का निरीक्षण किया। फरियादियों की शिकायत पर अज्ञात आरोपितों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

**ग्रामीण क्षेत्रों में भी चोरी की चिंता:** चोरी की घटनाएं नगर तक सीमित नहीं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों में लगे सोलर पैनलों की कीमती केबल चोरी होने की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इससे नगर और गांव दोनों क्षेत्रों के लोगों में चिंता बनी हुई है।

**सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस**

चोरी के बाद बदमाशों की गतिविधियां अलग-अलग सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपितों की पहचान और उनके आने-जाने के रास्ते का पता लगाने में जुटी है। लगातार चोरी की घटनाओं से रहवासी कॉलोनियों में चिंता बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि रात में पुलिस गश्त और निगरानी बढ़ाए जाने की जरूरत है।

### कन्या महाविद्यालय में हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत कवि सम्मेलन संपन्न

**नईदुनिया प्रतिनिधि, विदिशाः** स्थानीय राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जयंती पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. मणिमोहन मेहता, डॉ. वनिता वाजपेयी, सुदिन श्रीवास्तव, राजेंद्र श्रीवास्तव, ब्रज श्रीवास्तव एवं उर्वशी सक्सेना ने कविताओं का पाठ किया। कार्यक्रम का आरंभ कु. सुनेहा द्वारा राष्ट्रकवि दिनकर की कविता के पाठ से हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी.डी. अहिरवार ने कहा कि रामधारी सिंह दिनकर जनप्रतिबद्ध

कवि रहे, उनकी कविता ने समाज और राजनीति को दिशा दिखाने का काम किया है।

कार्यक्रम का संचालन और संयोजन प्रो. अस्मुरारी नंदन मिश्र ने तथा धन्यवाद ज्ञापन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. राजुला अल्बर्ट ने किया। इसी दिन महाविद्यालय में हिंदी पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। समस्त अतिथियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा एवं हिंदी साहित्य से जुड़ी पुस्तकों की प्रदर्शनी की सराहना की। इसमें डॉ. ज्योति जादौन, डॉ. रामू विश्वकर्मा, डॉ. विनिता प्रजापति, डॉ. संध्या जैन, डॉ. सीमा चक्रवर्ती, प्रो. सविता सोनी, डॉ. साधना कुमारी झा, प्रो. नीतू दांगी, डॉ. विनय कुमार पाठक, कु. कोमल कुशवाह के साथ महाविद्यालय के सभी स्टाफ़ का सक्रीय सहयोग रहा।


**कार्यालय नगर निगम भोपाल जोन क्र.-15, इंद्रपुरी चंद्रशेखर आजाद भवन**

**विज्ञप्ति**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम भोपाल द्वारा रानी अवंती बाई ट्रांसपोर्ट नगर के भूखण्ड के सम्बंध में जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

| क्र. | भूखण्ड क्र. | आकार/साइज | मूल/आवंटी का नाम/पिता का नाम | जिसके नाम पर नामांतरण होना है का नाम/पिता का नाम | नामांतरण हेत प्रस्तुत अभिलेख |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | बी-178 रानी अंवती बाई ट्रांसपोर्ट नगर | 484.2 वर्गफुट | श्री आजाद शर्मा/ देवी प्रसाद | श्री सुमित यादव/भगवान दास यादव | रजिस्ट्री |

उपरोक्त विषय के सम्बंध में सूचित किया जाता है कि नगर निगम भोपाल की भूखण्ड क्र. बी-178 रानी अवंतीबाई ट्रांसपोर्ट नगर वार्ड क्र.-62 रायसेन रोड भोपाल का नामांतरण प्रस्तुत अभिलेखों के आधार पर किया जाना है, यदि उक्त नामांतरण पर किसी भी व्यक्ति / बैंक / संस्था आदि को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो 15 दिवस के भीतर मय अभिलेखों सहित जोन क्र.-15 में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें, नियत समयावधि में यदि कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है तो यह माना जावेगा कि किसी को कोई आपत्ति नहीं है, नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी।

सू. क्र. 772/026/027

जोनल अधिकारी
जोन क्र.15 नगर निगम, भोपाल


**स्पेशल खबर** उज्जैन, आगर और रतलाम के डीपीएम का एक-एक माह का वेतन काटने के निर्देश

# गर्भवती महिलाओं के कम पंजीयन पर तीन जिलों के बीएमओ पर विभागीय

**नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः** अनमोल पोर्टल पर गर्भवती महिलाओं के एएनसी पंजीयन में लापरवाही मिलने पर संभागायुक्त आशीष सिंह ने उज्जैन, आगर मालवा और रतलाम जिलों के ब्लॉक मेडिकल अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय जांच के निर्देश दिए हैं। तीनों जिलों के जिला कार्यक्रम प्रबंधकों (डीपीएम) का एक-एक माह का वेतन काटने के निर्देश भी दिए गए हैं। संभागायुक्त बुधवार को स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक ले रहे थे।

समीक्षा के दौरान सामने आया कि तीनों जिलों में गर्भवती महिलाओं के पंजीयन की स्थिति अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। रतलाम जिले के बाजना, बिलपांक और सैलाना विकासखंड की स्थिति विशेष रूप से खराब पाई गई। संभागायुक्त ने रियल टाइम मॉनिटरिंग के साथ पंजीयन में सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विकासखंड चिकित्सा अधिकारियों से प्रमाण पत्र लिया जाए कि उनके क्षेत्र में कोई भी

गर्भवती महिला पंजीयन से शेष नहीं है।

उन्होंने कहा कि पंजीयन में सुधार नहीं होने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की जांच और प्रसव की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने ऐसी महिलाओं को प्रसव से कम से कम तीन दिन पहले अस्पताल में भर्ती कराने के निर्देश दिए। अनमोल पोर्टल पर प्रसव संबंधी जानकारी अपडेट नहीं होने पर भी नाराजगी जताई।

संभागायुक्त ने पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों की शुद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गलत डाटा प्रविष्टि या डाटा में हेरफेर पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी दी। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में डी ग्रेडिंग पर सिविल सर्जन आगर मालवा को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की भी समीक्षा हुई। संभाग में 99.76 प्रतिशत कुपोषित बच्चों का वजन कराया जा चुका है। आंगनवाड़ी केंद्रों में तीन से छह वर्ष तक के सभी बच्चों का पंजीयन कराने के निर्देश दिए गए। लाड़ली लक्ष्मी योजना में 88.15 प्रतिशत और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में 97.85 प्रतिशत लक्ष्य पूरा होने की जानकारी दी गई।

वहीं, वरिष्ठ नागरिकों के शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने, टीबी मरीजों के उपचार, पोषण किट के नियमित वितरण और कम वजन वाले बच्चों को आवश्यकता अनुसार पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराने के निर्देश दिए गए। एनआरसी के सभी बेड भरे रखने और कम वजन वाले बच्चों को उपचार पूरा होने से पहले डिस्चार्ज नहीं करने के निर्देश भी दिए गए।


**कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति आष्टा**
**जिला-सीहोर (म.प्र.)**

फोन : 07560-242166, mpapmcashta@gmail.com

क्रमांक/मंडी/कृ.भो.व्य./निवि./2026-27/889 आष्टा, दिनांक : 21.09.2026

**द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना**

एतद् द्वारा इच्छुक व्यक्तियों/व्यवसाइयों/संस्थाओं को सूचित किया जाता है कि कृषि उपज मंडी समिति आष्टा द्वारा अपने मुख्य प्रांगण आष्टा में अनुज्ञप्तिधारी हम्माल, तुलावटी तथा आने वाले कृषक हेतु 5/- रु. प्रति थाली में मीनू अनुसार भोजन उपलब्ध कराने हेतु दरें मोहरबंद लिफाफों में **दिनांक 09.10.2026 को दोपहर 3.30 बजे तक** कार्यालय आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा के साथ राशि 20000/- रु. की एफ.डी.आर. (जो सचिव कृषि उपज मंडी समिति के नाम से एकाउन्ट फॉर हो) प्रस्तुत करना अनिवार्य है। प्राप्त निविदाओं को उसी दिन सायं 4:00 बजे निविदा प्रदाता अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोले जावेंगे। निविदा प्रपत्र कार्यालय में 1000/- रुपये नगद जमा कर दिनांक 08.10.2026 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक प्राप्त किये जा सकेंगे।

**कृषक भोजनालय के संचालन हेतु प्रति थाली की दर प्रस्तुत करने हेतु विवरणी :-**

| क्र. | भोजन का मीनू | स्थान | निविदा प्रपत्र का मूल्य | धरोहर राशि | दर | निर्धारित किराया |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 01 | 02 | 03 | 04 | 05 | 06 | 07 |
| 01 | 06 पूड़ी (वजन 250 ग्राम), तथा सब्जी (200 ग्राम) व अचार अथवा 06 रोटी (250 ग्राम व अचार के साथ) प्रति थाली उपलब्ध कराना है। | केन्टीन भवन के पास कृषक भोजनालय | 1000/- (एक हजार रुपये मात्र) | 20000/- (बीस हजार रुपये मात्र) | कॉलम क्र. 02 में निर्धारित मीनू के आधार पर प्रति थाली की दर प्रस्तुत करना होगी। जिसमें प्रति थाली की अधिकतम निविदा दर 20/- रुपये से अधिक मान्य नहीं होगा। | 3000/- (तीन हजार रुपये मात्र मासिक) |

निविदा की विस्तृत शर्तों का अवलोकन मंडी कार्यालय में अवकाश दिनों को छोड़कर कार्यालयीन समय में किया जा सकता है।

**सहायक संचालक/सचिव**
**कृषि उपज मण्डी समिति आष्टा, जिला-सीहोर**

**भारसाधक अधिकारी**
**कृषि उपज मण्डी समिति आष्टा, जिला-सीहोर**

म.प्र. माध्यम/128209/2026